चम्पारण ज्ञानाग्रह

प्रार्थना-सभा सामग्री, दिनांक– 27 जुलाई 2026, अंक –321.

प्रस्तुतिः- GOVT. PS बोदसर, बगहा-2, प. चम्पारण (10010803702)

सौजन्य :- "TEACHERS OF BIHAR - THE CHANGE MAKERS."

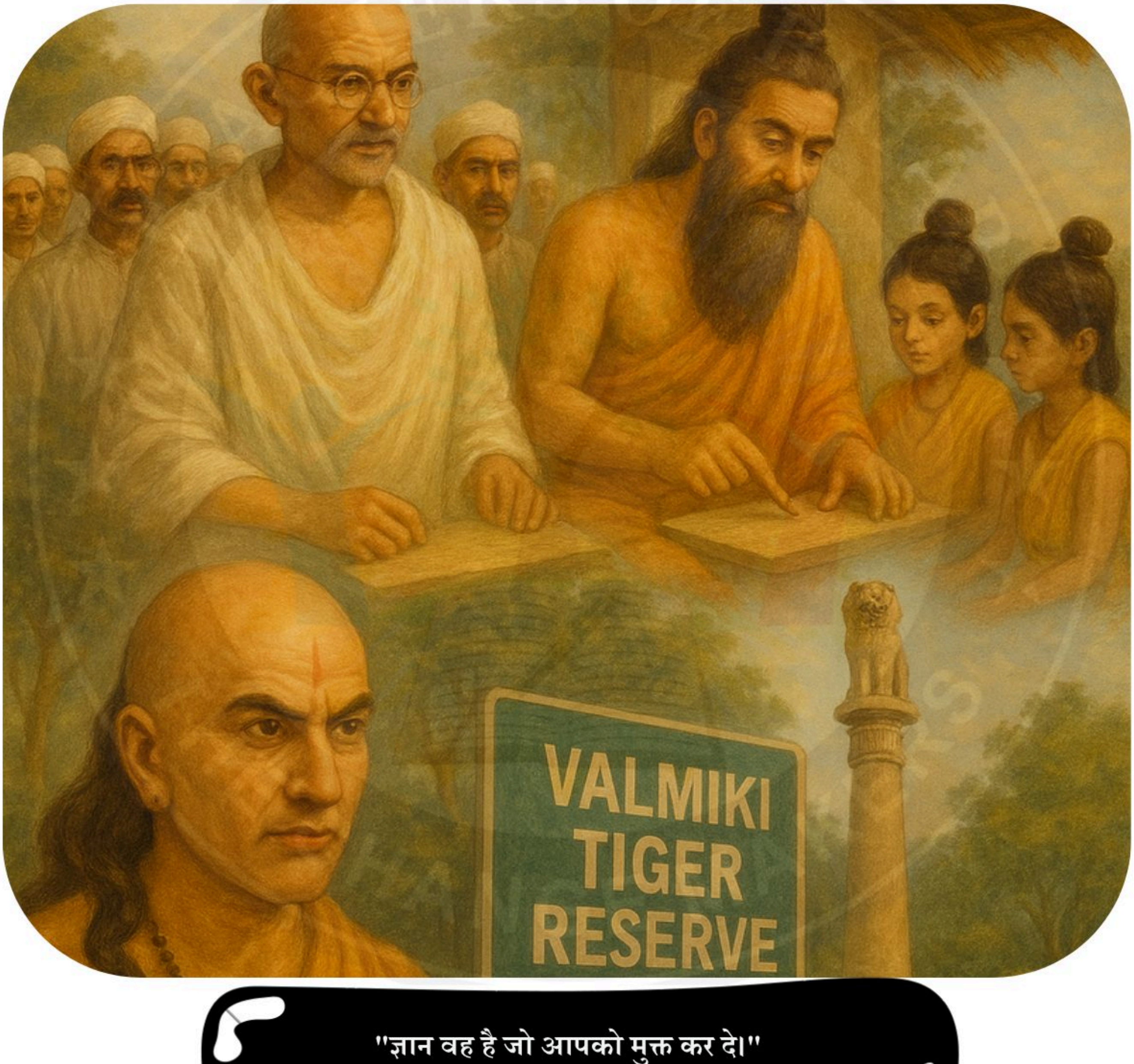

"ज्ञान वह है जो आपको मुक्त कर दे।"

(सा विद्या या विमुक्तये)।

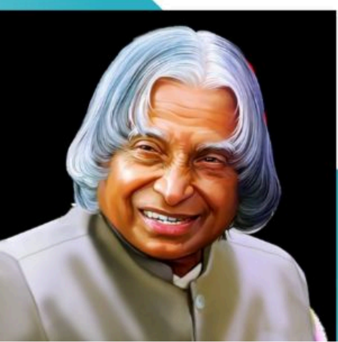

विद्यार्थियों की बौद्धिक और नैतिक उन्नति की ओर....

संपादकः- शैलेन्द्र कुमार

www.teachersofbihar.org

अनुभाग-1

"प्रार्थना-सभा सामग्री"

Monday Prayer

सुबह सवेरे लेकर तेरा नाम प्रभु,
करते हैं हम शुरु आज का काम प्रभु।

सदा हमारे सिर पर तेरा हाथ रहे,
हर सुख-दुख संकट में तेरा साथ रहे,
हां, हर सुख-दुख संकट में तेरा साथ रहे;
खुशियों का हो जीवन में आयाम प्रभु,
करते हैं हम शुरु आज का काम प्रभु।
सुबह सवेरे लेकर तेरा.....

मिलकर इस धरती को चमन बनाएं हम,
गांधी, गौतम, रामकृष्ण बन जाएं हम।
हां, गांधी, गौतम, रामकृष्ण बन जाएं हम;
यही हमारा हो हरदम पैगाम प्रभु,
करते हैं हम शुरु आज का काम प्रभु।
सुबह सवेरे लेकर तेरा.....

मात-पिता की सेवा और सम्मान करें,
उनकी खुशियों पर सब कुछ कुर्बान करें।
हां, उनकी खुशियों पर सब कुछ कुर्बान करें।
अच्छे कर्म का अच्छा परिणाम प्रभु,
करते हैं हम शुरु आज का काम प्रभु।
सुबह सवेरे लेकर तेरा.....

शुद्ध भाव से तेरा ध्यान लगाएं हम,
विद्या का वरदान तुम्हीं से पाए हम।
हाँ, विद्या का वरदान तुम्हीं से पाए हम।
तुम्ही से है आगाज़ तुम्हीं से अंजाम प्रभु,
करते है हम शुरु आज का काम प्रभु।
सुबह सवेरे लेकर तेरा.....

गुरुओं का सत्कार कभी न भूले हम,
इतना बनें महान गगन को छु ले हम।
हाँ, इतना बनें महान गगन को छु ले हम।
तुम्हीं से है हर सुबह तुम्ही से शाम प्रभु,
करते है हम शुरु आज का काम प्रभु।
सुबह सवेरे लेकर तेरा......

बिहार राज्य गीत

मेरे भारत के कंठहार ,
तुझको शत-शत वंदन बिहार..!

तू वाल्मीकि की रामायण
तू वैशाली का लोकतंत्र,
तू बोधिसत्व की करूणा है
तू महावीर का शांतिमंत्र
तू नालंदा का ज्ञानदीप
तू हीं अक्षत चंदन बिहार

तू है अशोक की धर्मध्वजा
तू गुरूगोविंद की वाणी है
तू आर्यभट्ट तू शेरशाह
तू कुंवर सिंह बलिदानी है
तू बापू की है कर्मभूमि
धरती का नंदन वन बिहार।

तेरी गौरव गाथा अपूर्व
तू विश्व शांति का अग्रदूत
लौटेगा खोया स्वाभिमान
अब जाग चुके तेरे सपूत
अब तू माथे का विजय तिलक
तू आँखों का अंजन बिहार
तुझको शत-शत वंदन बिहार
मेरे भारत के कंठहार ॥

राष्ट्रीय गीत (190 सेकंड)

वन्दे मातरम्।
सुजलां सुफलां मलयजशीतलाम्,
शस्यश्यामलां मातरम्।
वन्दे मातरम्॥
शुभ्रज्योत्स्ना पुलकित यामिनीम्,
फुल्लकुसुमित द्रुमदलशोभिनीम्,
सुहासिनीं सुमधुर भाषिणीम्,
सुखदां वरदां मातरम्।
वन्दे मातरम्॥
कोटि-कोटि कण्ठ कलकल निनाद कराले,
कोटि-कोटि भुजैर्धृत खरकरवाले,
अबला केनो मा एतो बले?
बहुबलधारिणीं नमामि तारिणीं,
रिपुदलवारिणीं मातरम्।
वन्दे मातरम्॥
त्वं हि विद्या, त्वं हि धर्म,
त्वं हि हृदि, त्वं हि मर्म,
त्वं हि प्राणाः शरीरे।
बाहुते त्वं मा शक्ति,
हृदये त्वं मा भक्ति,
तोमारइ प्रतिमा गढ़ि
मन्दिरे-मन्दिरे।
वन्दे मातरम्॥
त्वं हि दुर्गा दशप्रहरणधारिणी,
कमला कमलदलविहारिणी,
वाणी विद्यादायिनी नमामि त्वाम्।
नमामि कमलाम् अमलाम् अतुलाम्,
सुजलां सुफलां मातरम्।
वन्दे मातरम्॥
श्यामलां सरलां सुस्मितां भूषिताम्,
धरणीं भरणीं मातरम्।
वन्दे मातरम्॥

राष्ट्रगान

जन-गण-मन अधिनायक जय हे
भारत-भाग्य-विधाता।
पंजाब-सिंधु-गुजरात-मराठा
द्रविड़-उत्कल-बंग।
विंध्य-हिमाचल-यमुना-गंगा
उच्छल-जलधि-तरंग।
तव शुभ नामे जागे,
तव शुभ आशिष मांगे,
गाहे तव जय-गाथा।
जन-गण-मंगलदायक जय हे
भारत-भाग्य-विधाता।
जय हे, जय हे, जय हे,
जय जय जय जय हे।।

संकलन:-
शैलेन्द्र कुमार
प्रधान शिक्षक
Govt. PS बोदसर,
बगहा-2, प. चंपारण।

संविधान की प्रस्तावना

हम, भारत के लोग,
भारत को एक सम्पूर्ण प्रभुत्व-संपन्न, समाजवादी, पंथनिरपेक्ष, लोकतंत्रात्मक गणराज्य बनाने के लिए, तथा उसके समस्त नागरिकों को: सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक न्याय, विचार अभिव्यक्ति, विश्वास, धर्म और उपासना की स्वतंत्रता, प्रतिष्ठा और अवसर की समता प्राप्त कराने के लिए, तथा उन सब में व्यक्ति की गरिमा और राष्ट्र की एकता एवं अखंडता सुनिश्चित करने वाली बंधुता बढ़ाने के लिए दृढ़ संकल्प होकर अपनी इस संविधान सभा में आज तारीख 26 नवम्बर, 1949 ई० (मिति मार्ग शीर्ष शुक्ल सप्तमी, संवत् दो हजार छह विक्रमी) को एतद् द्वारा इस संविधान को अंगीकृत, अधिनियमित और आत्मार्पित करते हैं।

मौलिक अधिकार

1. "समता का अधिकार (Right to Equality.)" - अनुच्छेद 14–18
2. "स्वतंत्रता का अधिकार - (Right to Freedom.)" - अनुच्छेद 19–22
3. "शोषण के विरुद्ध अधिकार (Right against Exploitation.)" - अनुच्छेद 23–24
4. "धार्मिक स्वतंत्रता का अधिकार (Right to Freedom of Religion.)" - अनुच्छेद 25–28
5. "संस्कृति एवं शिक्षा संबंधी अधिकार (Cultural and Educational Right.)" - अनुच्छेद 29–30
6. "संवैधानिक उपचारों का अधिकार (Right to Constitutional Remedies.)" - अनुच्छेद 32

मौलिक कर्तव्य

अनुच्छेद 51(क) – मौलिक कर्तव्य:
भारत के प्रत्येक नागरिक का यह कर्तव्य होगा कि वह —
(1.) संविधान का पालन करे और उसके आदर्शों, संस्थाओं, राष्ट्रध्वज और राष्ट्रगान का आदर करे;
(2.) स्वतन्त्रता के लिए हमारे राष्ट्रीय आन्दोलन को प्रेरित करने वाले उच्च आदर्शों को हृदय में संजोए रखे और उनका पालन करे;
(3.) भारत की प्रभुता, एकता और अखण्डता की रक्षा करे और उसे अक्षुण्ण रखे;
(4.) देश की रक्षा करे और आह्वान किए जाने पर राष्ट्र की सेवा करे;
(5.) भारत के सभी लोगों में समरसता और समान भ्रातृत्व की भावना का निर्माण करे जो धर्म, भाषा और प्रदेश या वर्ग पर आधारित सभी भेदभाव से परे हो; ऐसी प्रथाओं का त्याग करे जो स्त्रियों के सम्मान के विरुद्ध हैं;
(6.) हमारी सामासिक संस्कृति की गौरवशाली परम्परा का महत्त्व समझे और उसका परिरक्षण करे;
(7.) प्राकृतिक पर्यावरण, जिसके अंतर्गत वन, झील, नदी और वन्य जीव हैं, की रक्षा करे और उसका संवर्धन करे तथा प्राणिमात्र के प्रति दयाभाव रखे;
(8.) वैज्ञानिक दृष्टिकोण, मानववाद और ज्ञानार्जन तथा सुधार की भावना का विकास करे;
(9.) सार्वजनिक सम्पत्ति की रक्षा करे और हिंसा से दूर रहे;
(10.) व्यक्तिगत और सामूहिक गतिविधियों के सभी क्षेत्रों में उत्कर्ष की ओर बढ़ने का सतत प्रयास करे जिससे राष्ट्र निरन्तर बढ़ते हुए प्रयत्नों द्वारा उन्नति की नई ऊँचाइयों को छू ले;
(11.) यदि वह माता-पिता या संरक्षक है, तो छह वर्ष से चौदह वर्ष तक की आयु वाले अपने, यथास्थिति, बच्चे या प्रतिपाल्य को शिक्षा के अवसर प्रदान करे।

वर्ग:- प्राथमिक (1 - 5) के लिए

सामान्य-ज्ञान

प्रश्न 1. दक्षिण अफ्रीका की प्रशासनिक राजधानी क्या है?
उत्तर: प्रिटोरिया
प्रश्न 2. भारत की पहली महिला पर्वतारोही कौन थीं जिन्होंने माउंट एवरेस्ट पर चढ़ाई की?
उत्तर: बछेंद्री पाल
प्रश्न 3. 'मोहिनीअट्टम' किस राज्य का प्रसिद्ध शास्त्रीय नृत्य है?
उत्तर: केरल
प्रश्न 4. 225 का वर्गमूल (Square Root) क्या है?
उत्तर: 15
प्रश्न 5. बिहार का प्रसिद्ध 'वाल्मीकि नगर' किस जिले में स्थित है?
उत्तर: पश्चिम चंपारण
प्रश्न 6. दाचीगाम राष्ट्रीय उद्यान किस केंद्र शासित प्रदेश में स्थित है?
उत्तर: जम्मू-कश्मीर
प्रश्न 7. रेडियोधर्मिता (Radioactivity) की खोज किसने की थी?
उत्तर: हेनरी बेकरल
प्रश्न 8. भारत के संविधान में नागरिकों के मौलिक कर्तव्य किस अनुच्छेद में दिए गए हैं?
उत्तर: अनुच्छेद 51A
प्रश्न 9. 'आदि' शब्द का विलोम क्या है?
उत्तर: अंत
प्रश्न 10. वायुमंडल में बादल किस मंडल में पाए जाते हैं?
उत्तर: क्षोभमंडल

संकलन:-
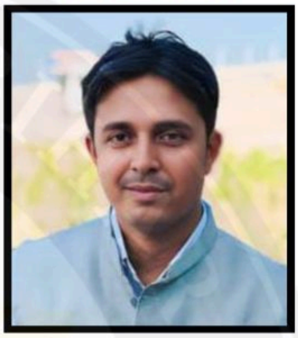
पिन्टू कुमार
विद्यालय अध्यापक
UHS रामपुर, बगहा-2

शब्द - संगम

Neck – (नेक) – गर्दन
Shoulder – (शोल्डर) – कंधा
Elbow – (एल्बो) – कोहनी
Finger – (फिंगर) – उँगली
Knee – (नी) – घुटना
Ankle – (ऐंकल) – टखना
Heel – (हील) – एड़ी

संकलन:-
सौरभ कुमार
विद्यालय अध्यापक
Govt. UMS गोइती
बगहा-2, प. चम्पारण

English गप-शप

थीम: Simple Future Tense – "क्या मैं ... करूँगा/करूँगी?" (Will I ...?)

क्या मैं कल पढ़ूँगा/पढ़ूँगी? – Will I study tomorrow?
क्या मैं तुम्हारी मदद करूँगा/करूँगी? – Will I help you?
क्या मैं समय पर आऊँगा/आऊँगी? – Will I come on time?
क्या मैं अपना काम पूरा करूँगा/करूँगी? – Will I finish my work?
क्या मैं अंग्रेज़ी सीखूँगा/सीखूँगी? – Will I learn English?

संकलन:-
अभिनव राज
प्रधान शिक्षक
रा० प्रा० वि० शेखधुरवा
चनपटिया, प. चम्पारण।

"सामान्य-ज्ञान"(वर्ग:6-12)

प्र.1. 27 जुलाई को भारत में कौन सा महत्वपूर्ण स्मरण दिवस मनाया जाता है? (महत्वपूर्ण दिवस)
उत्तर: डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम पुण्यतिथि
व्याख्या: 27 जुलाई 2015 को भारत के पूर्व राष्ट्रपति और प्रसिद्ध वैज्ञानिक डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम का IIM शिलांग में व्याख्यान देते समय हृदयाघात से निधन हुआ था। डॉ. कलाम (15 अक्टूबर 1931 – 27 जुलाई 2015) "मिसाइल मैन ऑफ इंडिया" और "पीपुल्स प्रेसिडेंट" कहलाते थे। उन्होंने DRDO में अग्नि, पृथ्वी, त्रिशूल और नाग मिसाइलों के विकास में नेतृत्व किया। भारत के 11वें राष्ट्रपति (2002-2007) रहे। 1997 में भारत रत्न से सम्मानित हुए। "विंग्स ऑफ फायर" उनकी प्रसिद्ध आत्मकथा है। उनका जीवन शून्य से शिखर तक की यात्रा का प्रेरणादायक उदाहरण है — एक साधारण मछुआरे के पुत्र से भारत के सर्वोच्च पद तक।
संदर्भ: thedailyjagran.com July 2026 Calendar

प्र.2. राष्ट्रमंडल खेल 2026 (ग्लासगो) में 26 जुलाई के प्रमुख खेल दिवस पर मीराबाई चानू ने महिला 49 किग्रा भारोत्तोलन में क्या उपलब्धि हासिल की — और 3 दिन बाद भारत का पदक तालिका में क्या स्थान था? (समसामयिक घटना)
उत्तर: स्वर्ण पदक जीता; तीसरे दिन 10वाँ स्थान (1 कांस्य)
व्याख्या: 26 जुलाई 2026 को राष्ट्रमंडल खेल 2026 ग्लासगो में "मीराबाई चानू" महिला 49 किग्रा भारोत्तोलन में प्रतिस्पर्धा में थीं — यह उनके लिए स्वर्ण पदक का सबसे बड़ा अवसर था। मीराबाई चानू टोक्यो 2020 (रजत) और पेरिस 2024 की पदक विजेता हैं। तीसरे दिन (26 जुलाई) के अंत में भारत राष्ट्रमंडल खेल 2026 की पदक तालिका में 10वें स्थान पर था, जिसके पास केवल एक कांस्य पदक (झंडू कुमार, पुरुष हेवीवेट पैरा पावरलिफ्टिंग) था। ग्लासगो में बैडमिंटन, कुश्ती और हॉकी जैसे भारत के पारंपरिक रूप से मजबूत खेल शामिल नहीं हैं। राष्ट्रमंडल खेल 2026 में 74 देश और 215 पदक स्पर्धाएँ हैं।
संदर्भ: espn.com India CWG Schedule 26 July 2026;

प्र.3. "भारतीय कविता में आधुनिकतावाद" के अग्रदूत "सूर्यकांत त्रिपाठी निराला" की सर्वाधिक प्रसिद्ध कविता कौन सी है और उनकी किस रचना में छायावाद का चरम देखने को मिलता है? (पुस्तक एवं लेखक)
उत्तर: "सरोज स्मृति" और "जूही की कली"; "राम की शक्तिपूजा"
व्याख्या: सूर्यकांत त्रिपाठी "निराला" (1899-1961) हिंदी साहित्य के "छायावाद" के चार प्रमुख स्तंभों में से एक थे — अन्य तीन थे: जयशंकर प्रसाद, सुमित्रानंदन पंत और महादेवी वर्मा। "सरोज स्मृति" उनकी पुत्री की मृत्यु पर लिखी गई हिंदी की सबसे हृदय-विदारक कविता मानी जाती है। "जूही की कली" उनकी प्रकृति-चित्रण की श्रेष्ठ रचना है। "राम की शक्तिपूजा" में छायावादी कविता का चरम और राम के मानवीकरण की अनूठी अभिव्यक्ति है। निराला ने हिंदी में "मुक्त छंद" (Free Verse) का प्रवर्तन किया। उन्हें 27 जुलाई के संदर्भ में जन्म (21 फरवरी 1899) और डॉ. कलाम की पुण्यतिथि के साथ "प्रेरणा के महापुरुष" श्रृंखला में रखा गया है।
संदर्भ: NCERT Hindi Class 12 — Aroh, Vitan

प्र.4. "ग्रीनहाउस गैसों" में CO_2 के अलावा कौन-कौन सी गैसें हैं — और "मीथेन" (CH_4) किन स्रोतों से उत्सर्जित होती है? (पर्यावरण/ग्लोबल वॉर्मिंग)
उत्तर: मीथेन, नाइट्रस ऑक्साइड, जलवाष्प, CFCs; धान के खेत, पशुपालन, लैंडफिल
व्याख्या: प्रमुख ग्रीनहाउस गैसें हैं: (1) कार्बन डाइऑक्साइड (CO_2): जीवाश्म ईंधन दहन और वनों की कटाई से; (2) मीथेन (CH_4): यह CO_2 से 25 गुना अधिक शक्तिशाली ग्रीनहाउस गैस है। स्रोत: धान के खेतों में अवायवीय अपघटन, पशुओं की पाचन प्रक्रिया (Enteric Fermentation), लैंडफिल में कचरे का अपघटन, कोयला खनन और प्राकृतिक गैस का रिसाव; (3) नाइट्रस ऑक्साइड (N_2O): रासायनिक उर्वरकों और पशुओं के मल से; (4) CFCs (क्लोरोफ्लोरोकार्बन): रेफ्रिजरेटर-एसी से — ये ओज़ोन परत भी नष्ट करती हैं; (5) जलवाष्प: प्राकृतिक लेकिन वार्मिंग से बढ़ती है। भारत में कृषि क्षेत्र मीथेन का बड़ा स्रोत है।
संदर्भ: NCERT Science Class 8, Ch 18 Pollution of Air and Water, p. 215–218;

प्र.5. "गुप्त साम्राज्य" के किस शासक के काल को "भारत का स्वर्णयुग" (Golden Age of India) कहा जाता है और उनकी उपलब्धियाँ क्या थीं? (इतिहास)
उत्तर: चंद्रगुप्त II (विक्रमादित्य); कला-साहित्य-विज्ञान का चरमोत्कर्ष
व्याख्या: गुप्त वंश के सम्राट "चंद्रगुप्त II विक्रमादित्य" (375-415 ई.) के शासनकाल को "भारत का स्वर्णयुग" कहा जाता है। उनके दरबार में "नवरत्न" थे जिनमें: कालिदास (महाकवि — अभिज्ञानशाकुन्तलम्, मेघदूत), आर्यभट्ट (गणितज्ञ, खगोलशास्त्री), वराहमिहिर (खगोलशास्त्री), धनवंतरि (चिकित्सा) प्रमुख थे। चंद्रगुप्त II ने शकों को पराजित कर पश्चिमी भारत (मालवा, गुजरात) को मुक्त कराया। चीनी यात्री फाह्यान उनके काल में भारत आया (399-414 ई.) और भारत की समृद्धि का विवरण दिया। दिल्ली का "लौह स्तंभ" गुप्तकालीन धातुकर्म विज्ञान का प्रमाण है।
संदर्भ: NCERT History Class 6, Ch 9 Vital Villages Thriving Towns, p. 107–109;

"सामान्य-ज्ञान"

प्र.6. "भारत के पूर्वी तट" पर "कोलकाता" और "चेन्नई" — दोनों प्रमुख बंदरगाहों में क्या भौगोलिक अंतर है जो उनके महत्व को प्रभावित करता है? (भूगोल)
उत्तर: कोलकाता — नदी बंदरगाह (हुगली नदी, 128 किमी अंदर); चेन्नई — कृत्रिम बंदरगाह (खुला समुद्र)
व्याख्या: कोलकाता (श्यामाप्रसाद मुखर्जी पोर्ट): यह भारत का सबसे पुराना और सबसे बड़ा "नदी बंदरगाह" (River Port) है जो हुगली नदी पर समुद्र से लगभग 128 किमी अंदर स्थित है। इसकी चुनौती: हुगली नदी में उथली गाद (Siltation) के कारण बड़े जहाज नहीं आ सकते और नियमित ड्रेजिंग आवश्यक है। चेन्नई बंदरगाह: यह भारत का दूसरा सबसे पुराना और एक "कृत्रिम बंदरगाह" (Artificial Harbour) है जो खुले समुद्र पर मानव-निर्मित टूटवानों (Breakwaters) द्वारा संरक्षित है। पूर्वोत्तर मानसून के दौरान यहाँ तेज़ लहरें बंदरगाह को प्रभावित करती हैं। हल्दिया (कोलकाता के निकट) गहरे पानी का पूरक बंदरगाह बनाया गया है।
संदर्भ: NCERT Geography Class 10, Ch 7 Lifelines of National Economy, p. 90–92.

प्र.7. "ऑपरेशन विजय 1999" के सफल समापन पर 26 जुलाई को कारगिल विजय दिवस मनाया जाता है — संविधान में "सशस्त्र बल" और "राष्ट्रीय सुरक्षा" किस सूची के अंतर्गत आते हैं? (राजनीति एवं संविधान)
उत्तर: संघ सूची (Union List), प्रविष्टि 2
व्याख्या: भारतीय संविधान की "सातवीं अनुसूची" में तीन सूचियाँ हैं — संघ सूची, राज्य सूची और समवर्ती सूची। "सशस्त्र बल" (Armed Forces) संघ सूची की "प्रविष्टि 2" (Entry 2) के अंतर्गत आते हैं — इसलिए सेना, नौसेना और वायुसेना केवल केंद्र सरकार के नियंत्रण में हैं। "राष्ट्रीय सुरक्षा" भी संघ सूची का विषय है। राष्ट्रपति सशस्त्र बलों के "सर्वोच्च कमांडर" (Supreme Commander) होते हैं। "रक्षा मंत्रालय" के माध्यम से कैबिनेट सेना की नीतियाँ निर्धारित करती है। "राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद" (NSC) की अध्यक्षता प्रधानमंत्री करते हैं।
संदर्भ: NCERT Political Science Class 11, Indian Constitution at Work, Ch 7 Federalism, p. 124–126;

प्र.8. "DRDO ने 25 जुलाई 2026 को स्वदेशी 'व्यय योग्य टर्बोजेट इंजन' का सफल परीक्षण किया" — NCERT विज्ञान के संदर्भ में "जेट इंजन" किस सिद्धांत पर कार्य करता है? (विज्ञान)
उत्तर: न्यूटन का तृतीय गति नियम (क्रिया-प्रतिक्रिया)
व्याख्या: 25 जुलाई 2026 को DRDO ने स्वदेशी रूप से विकसित "व्यय योग्य टर्बोजेट इंजन" (Expendable Turbojet Engine) का सफल परीक्षण किया। "जेट इंजन" (Jet Engine) न्यूटन के "तृतीय गति नियम" पर कार्य करता है: "प्रत्येक क्रिया की उसके बराबर और विपरीत प्रतिक्रिया होती है।" इंजन हवा को पीछे की ओर तीव्र गति से धकेलता है (क्रिया) → विमान आगे की ओर गति करता है (प्रतिक्रिया)। जेट इंजन में हवा को संपीड़ित कर ईंधन के साथ जलाया जाता है जिससे गर्म गैसें तेज़ी से पीछे निकलती हैं और थ्रस्ट (Thrust) उत्पन्न होता है। यही सिद्धांत "रॉकेट इंजन" में भी लागू होता है। DRDO का यह इंजन क्रूज मिसाइलों के लिए उपयुक्त है।
संदर्भ: NCERT Science Class 9, Ch 9 Force and Laws of Motion, p. 122–124;

प्र.9. "राजस्थान की 'कठपुतली' (Kathputli) कला" भारत की सबसे प्रसिद्ध पारंपरिक कठपुतली शैली है — इसका UNESCO से क्या संबंध है और यह किन जाति/समुदायों द्वारा की जाती है? (कला एवं संस्कृति)
उत्तर: अमूर्त सांस्कृतिक विरासत सूची में (2021); भाट और नट समुदाय
व्याख्या: "कठपुतली" (Kathputli — काठ=लकड़ी+पुतली=कठपुतली) राजस्थान की पारंपरिक धागा-संचालित (String Puppet) कठपुतली कला है जो मुख्यतः "भाट" और "नट" समुदाय द्वारा पीढ़ियों से की जाती है। इन कठपुतलियाँ रंगीन कपड़ों और लकड़ी से बनती हैं। 2021 में UNESCO ने "राजस्थान की कठपुतली कला" को "मानवता की अमूर्त सांस्कृतिक विरासत" (ICH) की प्रतिनिधि सूची में सम्मिलित किया। इसमें मुख्यतः राजपूत शासकों, लोककथाओं और पौराणिक पात्रों की कहानियाँ प्रस्तुत होती हैं। भारत की अन्य प्रमुख कठपुतली शैलियाँ: छाया-कठपुतली (आंध्र — तोलु बोम्मालता), दस्तानेदार (उत्तर प्रदेश — ग्लव पप्पेट), और धागा-कठपुतली (ओडिशा — सखी कुंधेई)।
संदर्भ: NCERT Class 11 — An Introduction to Indian Art, Ch 10 Folk and Tribal Art, p. 148–

प्र.10. बिहार में "27 जुलाई 2015" को डॉ. कलाम के निधन के बाद उनके नाम पर बिहार में कौन सी शैक्षणिक योजना या स्थान का नामकरण किया गया है? (बिहार सामान्य ज्ञान)
उत्तर: डॉ. अब्दुल कलाम विज्ञान नगरी (पटना) और APJ अब्दुल कलाम प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, पटना
व्याख्या: डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम के निधन के बाद उनकी स्मृति में बिहार में उनके नाम पर अनेक संस्थाएँ समर्पित की गईं: (1) डॉ. अब्दुल कलाम विज्ञान नगरी (Kalam Bhawan), पटना: बिहार सरकार ने पटना में "बिहार विज्ञान केंद्र" का नाम डॉ. कलाम के नाम पर रखा जहाँ विज्ञान प्रदर्शनियाँ और बच्चों के लिए STEM कार्यक्रम चलाए जाते हैं; (2) APJ अब्दुल कलाम प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय: पटना में स्थित यह विश्वविद्यालय बिहार के तकनीकी शिक्षा का केंद्र है; (3) डॉ. कलाम के नाम पर स्कूल और पुस्तकालय: बिहार के अनेक जिलों में उनके नाम पर विद्यालय नामित किए गए। चंपारण क्षेत्र में भी उनकी प्रेरणा से "विज्ञान-तकनीक उन्मुख शिक्षा" को बढ़ावा दिया जाता है।
संदर्भ: Bihar Government Education Department Records; Kalam Science City Patna Official Records;

"सामान्य-ज्ञान"

प्र.11. मुख्यमंत्री विद्यालय सुरक्षा कार्यक्रम के अंतर्गत "भूकंप सुरक्षा मॉड्यूल" (अगस्त माह) में विद्यालय में भूकंप-रोधी निर्माण (Earthquake-Resistant Construction) के बारे में बच्चों को क्या सिखाया जाता है? (विद्यालय सुरक्षा कार्यक्रम)

उत्तर: पक्की छत, कम मंजिल, RCC स्तंभ, कमजोर दीवार से दूर रहें

व्याख्या: BSDMA के भूकंप सुरक्षा मॉड्यूल (अगस्त W1) के अंतर्गत बच्चों को सिखाया जाता है कि वे अपने विद्यालय और घर की संरचना को "भूकंप-रोधी" दृष्टि से समझें। मुख्य बातें: (1) मजबूत भवन की पहचान: RCC (Reinforced Concrete Construction) स्तंभ-आधारित भवन अधिक सुरक्षित है; (2) कमजोर दीवारों से दूर रहें: बिना RCC की पुरानी ईंट-दीवारें भूकंप में गिर सकती हैं; (3) ऊपरी मंजिलें अधिक खतरनाक: भूकंप में ऊपरी मंजिलें अधिक हिलती हैं; (4) खिड़कियों और दरवाजों से दूर रहें: काँच टूटने का खतरा; (5) विद्यालय भवन का मूल्यांकन: BIS (Bureau of Indian Standards) के "भूकंपीय जोन मानचित्र" के अनुसार बिहार के उत्तरी जिले Zone IV (उच्च खतरे) में हैं।

संदर्भ: BSDMA Earthquake Safety Module August W1; bsdma.org;

प्र.12. एक व्यक्ति किसी काम को 12 दिन में पूरा कर सकता है और दूसरा उसी काम को 18 दिन में। यदि वे 6 दिन साथ काम करें, तो शेष काम कितने दिन में पूरा होगा — यदि तीसरा व्यक्ति उसे अकेले 9 दिन में कर सकता है? (रोचक पहेली/गणित/रीज़निंग)

उत्तर: 1 दिन में

व्याख्या: A की एक दिन की क्षमता = 1/12, B की = 1/18। एक दिन में दोनों मिलकर = 1/12 + 1/18 = 3/36 + 2/36 = 5/36। 6 दिन में दोनों ने = 6 × 5/36 = 30/36 = 5/6 काम पूरा किया। शेष काम = 1 − 5/6 = 1/6। तीसरे व्यक्ति (C) की क्षमता = 1/9 प्रतिदिन। शेष काम पूरा करने में समय = (1/6) ÷ (1/9) = (1/6) × 9 = 9/6 = 3/2 दिन → किंतु यदि C अकेले काम करे: 1/6 ÷ 1/9 = 1.5 दिन। सरल संस्करण में: A+B 6 दिन काम करने के बाद 5/6 काम पूरा — C को 1/6 काम पूरा करना है → 9 × 1/6 = 1.5 दिन (डेढ़ दिन)। इस प्रकार के "कार्य, समय और संयुक्त क्षमता" के प्रश्न BPSC, SSC, Railway परीक्षाओं में अत्यंत प्रचलित हैं।

GS संकलन:-

शैलेन्द्र कुमार

प्रधान शिक्षक

Govt. PS बोदसर

बगहा-2, प. चम्पारण।

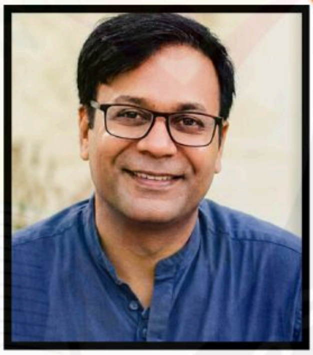

अनुभाग-4

-: शब्द - संगम :-

Dissent (डिसेन्ट) = Disagreement (डिसअग्रीमेंट) = असहमति / मतभेद
    Antonym – Consent (कन्सेन्ट) = सहमति

Emulate (एम्युलेट) = Imitate (इमिटेट) = अनुकरण करना / बराबरी करने का प्रयास करना
    Antonym – Neglect (नेग्लेक्ट) = उपेक्षा करना

Frugal (फ्रूगल) = Economical (इकोनॉमिकल) = मितव्ययी / कम खर्च करने वाला
    Antonym – Extravagant (एक्स्ट्रावेगन्ट) = फिजूलखर्च / अपव्ययी

Gratify (ग्रैटिफ़ाइ) = Satisfy (सैटिस्फ़ाइ) = संतुष्ट करना / प्रसन्न करना
    Antonym – Disappoint (डिसअपॉइंट) = निराश करना

Harbinger (हार्बिन्जर) = Forerunner (फोररनर) = अग्रदूत / पूर्वसूचक
    Antonym – Follower (फॉलोअर) = अनुयायी

~: संकलन :~

राकेश कुमार राव

प्रधानाध्यापक

PMश्री +2 NGY उच्च विद्यालय

वाल्मीकिनगर, बगहा-2 , प. चम्पारण।

"आज का अख़बार"

NATIONAL NEWS

English Headline: NITI Aayog Releases 'National Blue Economy Framework 2026' to Enhance Coastal Infrastructure and Sustainable Marine Aquaculture.
हिन्दी अनुवाद: नीति आयोग ने तटीय बुनियादी ढांचे और सतत समुद्री मत्स्य पालन को बढ़ावा देने के लिए 'राष्ट्रीय नीली अर्थव्यवस्था ढांचा 2026' जारी किया।
केंद्रीय थिंक टैंक नीति आयोग ने देश के तटीय क्षेत्रों में सतत विकास और समुद्री संसाधनों के विवेकपूर्ण दोहन के लिए एक व्यापक रोडमैप प्रस्तुत किया है। इस नीति का मुख्य उद्देश्य तटीय राज्यों में आधुनिक बंदरगाह बुनियादी ढांचे का निर्माण करना, समुद्री कृषि (Marine Aquaculture) को प्रोत्साहित करना और तटीय समुदायों की आजीविका में सुधार करना है।

English Headline: Ministry of Electronics and IT Unveils 'National Cyber Defense Architecture 3.0' to Secure Critical Power and Telecom Networks.
हिन्दी अनुवाद: इलेक्ट्रॉनिक्स और आईटी मंत्रालय ने महत्वपूर्ण बिजली और दूरसंचार नेटवर्क की सुरक्षा के लिए 'राष्ट्रीय साइबर रक्षा वास्तुकला 3.0' का अनावरण किया।
देश के राष्ट्रीय सुरक्षा बुनियादी ढांचे को मजबूत करने की दिशा में, इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय ने एक नया साइबर सुरक्षा ढांचा अधिसूचित किया है। इसके तहत देश के पावर ग्रिडों, दूरसंचार टावरों और केंद्रीय वित्तीय सर्वरों में एआई-संचालित रीयल-टाइम थ्रेट डिटेक्शन सिस्टम अनिवार्य रूप से तैनात किए जाएंगे।

English Headline: ISRO Successfully Completes Flight Qualification Hot Test of High-Thrust Semi-Cryogenic Engine Stage.
हिन्दी अनुवाद: इसरो ने उच्च-थ्रस्ट सेमी-क्रायोजेनिक इंजन चरण का उड़ान योग्यता हॉट टेस्ट सफलतापूर्वक पूरा किया।
भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (ISRO) ने महेंद्रगिरि स्थित लिक्विड प्रोपल्शन सिस्टम सेंटर (LPSC) में सेमी-क्रायोजेनिक इंजन का सफल परीक्षण पूरा किया। यह तकनीक भविष्य के भारी-पेलोड प्रक्षेपण वाहनों (LVM3) की भार वहन क्षमता को बढ़ाएगी, जिससे भारत के वाणिज्यिक एवं मानवयुक्त अंतरिक्ष अभियानों को महत्वपूर्ण मजबूती मिलेगी।

INTERNATIONAL NEWS

English Headline: United Nations General Assembly Passes Resolution Establishing 'Global Framework on AI Safety and Ethical Governance'.
हिन्दी अनुवाद: संयुक्त राष्ट्र महासभा ने 'एआई सुरक्षा और नैतिक शासन पर वैश्विक ढांचा' स्थापित करने वाला प्रस्ताव पारित किया।
न्यूयॉर्क में आयोजित सत्र के दौरान, संयुक्त राष्ट्र के सदस्य देशों ने कृत्रिम बुद्धिमत्ता (AI) के जिम्मेदार और सुरक्षित उपयोग के लिए एक ऐतिहासिक संकल्प को मंजूरी दी। इस वैश्विक ढांचे का उद्देश्य एआई प्रौद्योगिकियों के कारण उत्पन्न होने वाले संभावित जोखिमों, एल्गोरिथम पूर्वाग्रहों और डेटा गोपनीयता के उल्लंघनों को रोकना है।

English Headline: World Bank and Asian Infrastructure Investment Bank Sign $1.5 Billion Pact for South Asian Renewable Energy Corridor.
हिन्दी अनुवाद: विश्व बैंक और एशियाई अवसंरचना निवेश बैंक ने दक्षिण एशियाई नवीकरणीय ऊर्जा गलियारे के लिए $1.5 बिलियन के समझौते पर हस्ताक्षर किए।
दक्षिण एशिया में स्वच्छ ऊर्जा पारगमन को गति देने के लिए विश्व बैंक और AIIB ने संयुक्त रूप से वित्तीय पैकेज की घोषणा की है। इस कोष का उपयोग मुख्य रूप से भारत, नेपाल और बांग्लादेश के बीच सीमा पार ट्रांसमिशन लाइनों के विस्तार और सौर व जलविद्युत ऊर्जा के निर्बाध व्यापार को सुगम बनाने के लिए किया जाएगा।

English Headline: World Health Organization (WHO) Launches 'Global Vector-Borne Disease Early Warning System' to Counter Climate Risks.
हिन्दी अनुवाद: विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO) ने जलवायु जोखिमों से निपटने के लिए 'वैश्विक कीट-जनित रोग पूर्व चेतावनी प्रणाली' की शुरुआत की।
जलवायु परिवर्तन के कारण बढ़ते वैश्विक तापमान और चरम मौसमी घटनाओं के परिणामस्वरूप डेंगू, मलेरिया और चिकनगुनिया जैसी बीमारियों के बढ़ते प्रकोप से निपटने के लिए डब्ल्यूएचओ (WHO) ने एक समर्पित डिजिटल निगरानी नेटवर्क लॉन्च किया है, जो महामारी के नए हॉटस्पॉट्स की समय से पहले पहचान करेगा।

BIHAR NEWS

English Headline: Bihar Cabinet Approves 'Mukhyamantri Solar Pump Set Expansion Scheme' to Assist Small and Marginal Farmers.
हिन्दी अनुवाद: बिहार कैबिनेट ने छोटे और सीमांत किसानों की सहायता के लिए 'मुख्यमंत्री सोलर पंप सेट विस्तार योजना' को मंजूरी दी।
राज्य में कृषि लागत को कम करने और हरित ऊर्जा के उपयोग को बढ़ावा देने के उद्देश्य से बिहार सरकार ने एक नई सब्सिडी योजना को मंजूरी दी है। इस पहल के तहत राज्य के किसानों को सिंचाई के लिए अत्यधिक रियायती दरों पर ऑफ-ग्रिड सोलर पंप सेट उपलब्ध कराए जाएंगे, जिससे डीजल पर उनकी निर्भरता काफी हद तक कम होगी।

English Headline: Bihar Department of Environment, Forest and Climate Change Initiates Satellite Mapping of Wetlands in Kosi-Seemanchal Region.
हिन्दी अनुवाद: बिहार पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग ने कोसी-सीमांचल क्षेत्र की आर्द्रभूमियों की उपग्रह मैपिंग शुरू की।
राज्य के जल निकायों और संवेदनशील पारिस्थितिकी तंत्र के संरक्षण के लिए वन विभाग ने इसरो के सुदूर संवेदन (Remote Sensing) आंकड़ों का उपयोग करके मैपिंग अभियान शुरू किया है। इस परियोजना के माध्यम से प्राकृतिक आर्द्रभूमियों के क्षरण को रोका जाएगा और भूजल स्तर को बनाए रखने के लिए प्रभावी कदम उठाए जाएंगे।

SPORTS NEWS

English Headline: Indian Archery Contingent Wins Historic Gold Medal in Compound Mixed Team Event at the World Archery Stage 4.
हिन्दी अनुवाद: भारतीय तीरंदाजी दल ने विश्व तीरंदाजी चरण 4 में कंपाउंड मिश्रित टीम स्पर्धा में ऐतिहासिक स्वर्ण पदक जीता।
विश्व स्तर पर भारतीय तीरंदाजों ने अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए कड़े मुकाबले में शीर्ष वरीयता प्राप्त टीम को हराकर स्वर्ण पदक अपने नाम किया। इस महत्वपूर्ण जीत ने आगामी प्रमुख विश्व चैंपियनशिप आयोजनों के लिए भारत की स्थिति को अत्यधिक मजबूत किया है।

English Headline: International Cricket Council (ICC) Formally Implements Smart Ball-Tracking and Automated Edge-Detection Technology for Global Meets.
हिन्दी अनुवाद: अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (ICC) ने वैश्विक प्रतियोगिताओं के लिए स्मार्ट बॉल-ट्रैकिंग और स्वचालित एज-डिटेक्शन तकनीक को औपचारिक रूप से लागू किया।
मैचों में अंपायरिंग के फैसलों को अधिक पारदर्शी, सटीक और त्रुटिहीन बनाने के उद्देश्य से आईसीसी ने अपनी खेल नियमावली में सुधार किया है। नए तकनीकी मानकों के तहत, विवादित फैसलों को कम करने और खेल के समय की बचत के लिए उन्नत एआई कैमरों और सेंसर-आधारित समीक्षा प्रणालियों का उपयोग किया जाएगा।

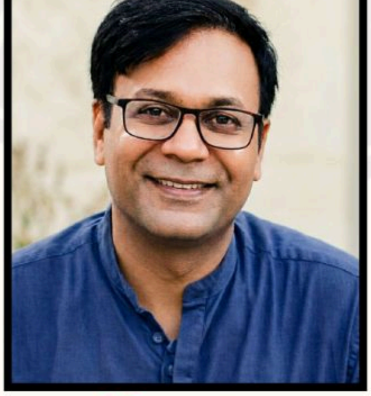

संकलन:-
शैलेन्द्र कुमार
प्रधान शिक्षक
रा.प्रा.वि. बोदसर,
बगहा-2, प. चम्पारण ।

🎯 "परिश्रम वह सोना है जो हर कसौटी पर खरा उतरता है — पढ़ते रहो, बढ़ते रहो।"

BPSC 72वीं CCE: 26 जुलाई 2026 — अब मात्र 12 दिन शेष। अंतिम तैयारी में जुट जाएँ!

प्रेरक प्रसंग

नेतृत्व का सबसे बड़ा सबक

सन् 1979 में भारत का एक महत्त्वपूर्ण उपग्रह प्रक्षेपण मिशन असफल हो गया। उस समय डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम इस परियोजना के निदेशक थे। वर्षों की मेहनत के बाद भी रॉकेट अपने लक्ष्य तक नहीं पहुँच पाया।

अगले ही दिन पत्रकारों की भीड़ जुटी। सभी असफलता का कारण जानना चाहते थे।

तभी भारतीय अंतरिक्ष कार्यक्रम के वरिष्ठ वैज्ञानिक और उस समय के अध्यक्ष, सतीश धवन आगे आए। उन्होंने पत्रकारों से कहा, "इस असफलता की पूरी जिम्मेदारी मेरी है। हमारी टीम ने पूरी मेहनत की है। हम अपनी गलतियों से सीखेंगे और फिर प्रयास करेंगे।"

डॉ. कलाम चुपचाप यह सब देख रहे थे। उन्हें लगा कि उनके वरिष्ठ ने पूरी टीम का मनोबल बचा लिया।

एक वर्ष बाद, 1980 में वही मिशन सफल हुआ। इस बार उपग्रह सफलतापूर्वक अंतरिक्ष में स्थापित हो गया। पूरा देश खुशी मना रहा था।

इस बार पत्रकारों से मिलने की बारी आई, तो डॉ. सतीश धवन ने स्वयं मंच पर जाने के बजाय डॉ. कलाम से कहा, "आज सफलता का श्रेय तुम्हारी टीम को मिलना चाहिए। तुम जाओ और देश को यह शुभ समाचार दो।"

उस दिन डॉ. कलाम ने नेतृत्व का सबसे बड़ा पाठ सीखा—एक सच्चा नेता असफलता की जिम्मेदारी स्वयं लेता है और सफलता का सम्मान अपनी टीम को देता है।

बाद में डॉ. कलाम ने कई बार इस घटना का उल्लेख करते हुए कहा कि उन्होंने नेतृत्व का सबसे बड़ा सबक अपने गुरु डॉ. सतीश धवन से सीखा।

प्रेरणा

महान नेता वही होता है, जो कठिन समय में अपनी टीम के साथ खड़ा रहे और सफलता मिलने पर पूरा श्रेय अपनी टीम को दे।

"नेतृत्व का अर्थ आगे चलना नहीं, बल्कि कठिन समय में सबसे आगे खड़ा होना और सफलता के समय सबसे पीछे हो जाना है।"

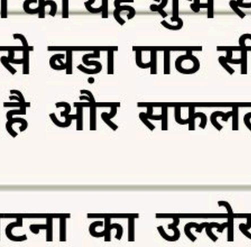

................✍️
मनोज कुमार
प्रधानाध्यापक
रा.म.वि.वाल्मीकिनगर
बगहा 2, प. चम्पारण।

अनुभाग-7

"शिक्षक संवर्धन"

विषय: ICT और डिजिटल नवाचार — तकनीक जब बने ज्ञान की सहायक

शिक्षक साथियों, डिजिटल युग में अक्सर यह सवाल उठता है– "क्या आधुनिक तकनीक या मोबाइल ऐप एक शिक्षक की जगह ले सकते हैं?" इसका बहुत ही सुंदर उत्तर है– तकनीक कभी भी एक संवेदनशील शिक्षक का स्थान नहीं ले सकती, लेकिन तकनीक का सही उपयोग करने वाला शिक्षक, तकनीक का उपयोग न करने वाले शिक्षक को पीछे ज़रूर छोड़ देता है। सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी (ICT - Information and Communication Technology) कोई बहुत महँगी या जटिल प्रयोगशाला नहीं है, बल्कि हमारे हाथ में मौजूद एक साधारण स्मार्टफोन भी एक बेहतरीन शिक्षण औजार बन सकता है।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति (NEP 2020) और निपुण भारत मिशन प्राथमिक स्तर पर ICT के न्यायसंगत और संतुलित उपयोग (Balanced & Judicious Use) पर विशेष बल देते हैं। इसका उद्देश्य केवल बच्चों को स्क्रीन दिखाना नहीं है, बल्कि अमूर्त (Abstract) अवधारणाओं को ऑडियो-विजुअल (Audio-Visual) माध्यमों से उनके लिए अमूर्त से मूर्त (Concrete) बनाना है।

उदाहरण और व्यावहारिक प्रयोग:

आइए देखें कि कैसे हम सीमित संसाधनों में भी एक साधारण स्मार्टफोन की मदद से अपनी प्राथमिक कक्षा को जीवंत बना सकते हैं:

- **1. ऑडियो-विजुअल सामग्री और दीक्षा (DIKSHA) ऐप: जब आप कक्षा 4 में 'पर्यावरण अध्ययन' में 'जल चक्र' या 'सौरमंडल' का पाठ पढ़ा रहे हों, तो केवल ब्लैकबोर्ड पर चित्र बनाने के बजाय स्मार्टफोन पर 2 मिनट का एक एनिमेटेड वीडियो बच्चों को दिखाएं। जब बच्चे वाष्पीकरण और बादलों का बनना आँखों से देखते हैं, तो वह अवधारणा उनके मन में हमेशा के लिए स्पष्ट हो जाती है।**
- **2. 'स्मार्ट साउंड' (कहानी और कविता पठन): कई बार भाषा की कक्षा में सही उच्चारण और लय-ताल सिखाने के लिए हम ब्लूटूथ स्पीकर या फोन का उपयोग करके बच्चों को बाल-गीत, कविताएं या प्रसिद्ध लोककथाएं सुना सकते हैं। बच्चे लयबद्ध ध्वनियों को सुनकर बहुत तेज़ी से भाषा पकड़ते हैं।**
- **3. QR कोड और पूरक सामग्री: आजकल हमारी पाठ्यपुस्तकों में हर पाठ के साथ QR कोड दिए गए हैं। शिक्षक पाठ शुरू करने से पहले उस QR कोड को स्कैन करके पाठ से जुड़े अतिरिक्त खेल, वर्कशीट और इंटरैक्टिव सामग्री का उपयोग कर सकते हैं।**

शिक्षक साथियों, प्राथमिक स्तर पर ICT का उपयोग करते समय तीन मुख्य सिद्धांतों का पालन अवश्य करना चाहिए:

1. **तकनीक माध्यम है, साध्य नहीं: तकनीक का प्रयोग केवल वहीं करें जहाँ वह सीखने की प्रक्रिया को आसान बनाए। यह पारंपरिक शिक्षण का विकल्प नहीं, बल्कि उसकी पूरक है।**
2. **स्क्रीन टाइम का संतुलन: प्राथमिक कक्षाओं में बच्चों को लगातार स्क्रीन के सामने न बिठाएं। 35-40 मिनट की घंटी में डिजिटल सामग्री का प्रयोग 5 से 10 मिनट से अधिक नहीं होना चाहिए।**
3. **सक्रिय सहभागिता: केवल वीडियो दिखाकर छोड़ न दें, उसके बाद बच्चों से चर्चा करें, सवाल पूछें और उन्हें खुद अपने विचार व्यक्त करने का अवसर दें।**

आज के इस संवर्धन अंक का सार यह है कि ICT हमारी शिक्षण यात्रा का एक ऐसा जादुई साथी है जो भौगोलिक सीमाओं और संसाधनों की कमी को पाट सकता है। जब एक शिक्षक अपने कौशलों को तकनीक के साथ जोड़ता है, तो उसकी कक्षा न केवल रोचक बनती है, बल्कि बच्चे वैश्विक दुनिया से जुड़ने के लिए तैयार होते हैं। आज चिंतन कीजिएगा कि क्या आप अपनी कल की कक्षा में किसी कठिन अवधारणा को समझाने के लिए एक छोटे से डिजिटल टूल या ऑडियो-वीडियो का उपयोग कर सकते हैं?

..................✍️

मनोज कुमार झा

प्रधानाध्यापक

राज़कीयकृत म.वि. सर्वोदय

बेतिया, प. चम्पारण।

आइए, हम मिलकर छात्रों के ज्ञान, प्रेरणा और जिज्ञासा को नयी दिशा दें। 🌿🙏

"पाठक पृष्ठ"

दैनिक भास्कर बेतिया भास्कर 06-04-2026

मंडे पॉजिटिव सरकारी स्कूलों के शिक्षकों की टीम चंपारण ज्ञानाग्रह से मौन किंतु प्रभावी शैक्षिक क्रांति की बन रही साक्षी

चंपारण-ज्ञानाग्रह : बिहार के शैक्षिक पुनर्जागरण का आधुनिक शंखनाद, सरकारी विद्यालयों में ज्ञान की गंगा प्रवाहित हो रही

मणिकांत मिश्र|बेतिया

बिहार की ऐतिहासिक धरती, जो कभी नालंदा और विक्रमशिला के ज्ञानलोक से संपूर्ण विश्व को आलोकित करती थी, आज पुनः एक मौन किंतु अत्यंत प्रभावी शैक्षिक क्रांति की साक्षी बन रही है। इस वैचारिक क्रांति का ध्वजवाहक है चम्पारण-ज्ञानाग्रह। यह केवल एक दैनिक बुलेटिन या पीडीएफ श्रृंखला नहीं है, बल्कि टीचर्स ऑफ बिहार के समर्पित शिल्पकारों द्वारा गढ़ा गया एक ऐसा बौद्धिक अनुष्ठान है, जो राज्य के सुदूर ग्रामीण क्षेत्रों के सरकारी विद्यालयों में ज्ञान की गंगा प्रवाहित कर रहा है। चम्पारण सत्याग्रह की पावन स्मृतियों से ऊर्जस्वित यह पत्रिका आज बिहार के हजारों विद्यालयों की प्रार्थना सभाओं का प्राण बन चुकी है। इस महती परियोजना के केंद्र में जिले के बगहा दो प्रखंड क्षेत्र के प्राथमिक विद्यालय बोदसर के प्रधान शिक्षक शैलेन्द्र कुमार का तपस्वी व्यक्तित्व है। उनके प्रधान संपादकीय और संकलन कौशल

चंपारण ज्ञानाग्रह टीम द्वारा जारी बुलेटिन।

निष्कर्ष : दैनिक ज्ञानकोश बिहार के शैक्षिक परिदृश्य पर एक अमिट हस्ताक्षर बन चुका है

टीचर्स ऑफ बिहार- द चेंज मेकर्स के बैनर तले प्रकाशित यह पत्रिका यह सिद्ध करती है कि बिना किसी व्यावसायिक स्वार्थ या सरकारी वित्त पोषण के भी यदि संकल्प शक्ति दृढ़ हो, तो शिक्षा के क्षेत्र में युगांतरकारी परिवर्तन लाया जा सकता है। यह दैनिक ज्ञानकोश बिहार के शैक्षिक परिदृश्य पर अमिट हस्ताक्षर बन चुका है। चम्पारण-ज्ञानाग्रह केवल शब्दों का संकलन नहीं है; यह शैलेन्द्र कुमार व टीम के उस अटूट विश्वास का प्रतिबिंब है कि शिक्षक बदलेंगे, तो

शिक्षक संवर्धन खंड केवल सूचनात्मक लेखों का संग्रह नहीं, यह शिक्षकों के व्यावसायिक कौशल व शिक्षण पद्धतियों के नवाचार का एक विमर्श मंच है। मनोज कुमार झा के लेखों में मनोविज्ञान, विद्यालय प्रबंधन व शैक्षिक चुनौतियों का जो विश्लेषण मिलता है। वह शिक्षकों को पारंपरिक ढर्रे से निकालकर आधुनिक शिक्षण की ओर प्रेरित करता है। यह खंड शिक्षकों को यह अहसास कराता है कि वे केवल कर्मचारी नहीं,बल्कि समाज के चेंज मेकर्स हैं। जब एक शिक्षक इस पत्रिका के माध्यम से नई शिक्षण विधियों,बाल मनोविज्ञान और नेतृत्व कौशल से लैस होता है,तो उसका सीधा लाभ कक्षा के अंतिम

हिन्दुस्तान

सामान्य बुद्धि के साथ सिलेबस ज्ञान बढ़ा रहा 'चंपारण ज्ञानाग्रह'

हि विशेष

■ चन्द्रभूषण शांडिल्य

बगहा। सरकारी विद्यालयों में पढ़ने वाले बच्चों को कम समय से अधिक से अधिक जानकारी देने को नित नवाचार होते रहते हैं। ऐसा ही एक नवाचार बगहा के एक विद्यालय से शुरु हुआ जो आज करीब-करीब एक हजार विद्यालयों में फॉलो किया जा रहा है। रोज प्रार्थना की घंटी बजने के बाद इसका वाचन होता है और बच्चों को नयी जानकारी मिलती है। हम बात कर रहे हैं 'चंपारण ज्ञानाग्रह' की। जिले के बगहा दो प्रखंड के मंगलपुर अवसानी पंचायत के राजकीय उत्क्रमित मध्य विद्यालय औसानी से रोज सुबह चंपारण ज्ञानाग्रह तैयार कर विभिन्न विद्यालयों के ग्रुपों में भेजा जाता है, जिसका उपयोग रोज किया जाता है। एनसीईआरटी की पुस्तकों से तैयार की गई प्रश्नोत्तरी का यह ज्ञानाग्रह बच्चों के सामान्य बुद्धि के साथ ही सिलेबस ज्ञान को भी बढ़ा रहा है। चंपारण ज्ञानाग्रह को बनाने वाले राजकीय प्राथमिक विद्यालय बोदसर के प्रधान शिक्षक शैलेन्द्र कुमार ने बताया कि गर्मियों की छुट्टी के दौरान सोचा कि आखिरकार बच्चों से कैसे कनेक्ट रहा जाए तथा पढ़ाई के प्रति उनमें रुचि कैसे जगायी जाए। काफी विचार विमर्श के बाद प्रश्नों की श्रृंखला तैयार की, जिसका नाम रखा चंपारण ज्ञानाग्रह। इसको कुछ शिक्षा वाले ग्रुपों में शेयर किया रिस्पॉन्स अच्छा मिला। विद्यालय खुलने के बाद कई विद्यालयों में चेतना सत्र के दौरान उसका वाचन शुरू किया गया। आज हजार के करीब विद्यालय ऐसे हैं जो इसका उपयोग प्रार्थना सभा में करते हैं। अब तक इसके 108 अंक प्रकाशित हो चुके हैं। इसको एक बेहतर प्लेटफार्म उपलब्ध कराने में टीचर्स ऑफ बिहार ग्रुप ने दिया।

- चेतना सत्र के दौरान होता है इस प्रार्थना सभा सामग्री का
- गर्मियो की छुट्टी के दौरान शुरु हुआ चंपारण ज्ञानाग्रह, मिला टीचर्स ऑफ बिहार ग्रुप का साथ

01
सौ आठ अंक का हो चुका प्रकाशन

सामान्य विज्ञान से ज्ञान तक के प्रश्न होते हैं समाहित

चंपारण ज्ञानाग्रह के 108वें अंक मे प्रश्न है, प्रकाश का प्रकीर्णन किसके कारण होता है। रक्त मे यूरिया का उत्सर्जन कहा से होता है, तत्वो का वर्गीकरण किसने किया। विद्युत परिपथ मे स्वीच का कार्य, पर्यावरण मे प्राथमिक उत्पादक, मानव मे पाचन एंजाइम का उदाहरण, चौरंगी के लेखक कौन है। इसके अतिरिक्त शब्द संगम, मुख्य समाचार, विदेशी समाचार, बिहार की खबर, खेल की समाचार और अंत मे पेरक प्रसंग शामिल है।

4 दैनिक जागरण मुजफ्फरपुर,08 मई, 2026 बगहा जागरण

'चंपारण-ज्ञानाग्रह' शिक्षकों के प्रयास से हर गांव तक पहुंची शिक्षा की नई अलख

संवाद सूत्र, जागरण• बगहा: बिहार की ऐतिहासिक ज्ञान परंपरा को नई ऊर्जा देते हुए बगहा अनुमंडल से एक सराहनीय शैक्षिक पहल सामने आई है। 'चंपारण-ज्ञानाग्रह' नामक दैनिक शैक्षिक पत्रिका आज सरकारी विद्यालयों में शिक्षा के स्वरूप को बदलने का कार्य कर रही है। बिना किसी बड़े बजट या सरकारी योजना के, शिक्षकों के सामूहिक संकल्प और समर्पण से यह पहल हजारों बच्चों के बौद्धिक और नैतिक विकास का माध्यम बन चुकी है। चम्पारण की ऐतिहासिक धरती से शुरू हुआ यह प्रयास अब एक शैक्षिक आंदोलन का रूप ले चुका है। विद्यालयों की प्रार्थना सभाओं में इस पत्रिका का उपयोग

- यह पत्रिका सरकारी विद्यालयों में बदल रही शिक्षा का स्वरूप
- शिक्षकों के सामूहिक प्रयास से तैयार हुई यह दैनिक पत्रिका

भाषा कौशल, समसामयिक घटनाओं और जीवन मूल्यों की जानकारी दी जा रही है। इससे शिक्षा केवल पुस्तकों तक सीमित न रहकर व्यावहारिक और जीवनोपयोगी बन रही है। दूरदर्शी नेतृत्व में आकार ले रही इस पहल का नेतृत्व राजकीय प्राथमिक विद्यालय बोदसर बगहा दो के प्रधान शिक्षक शैलेन्द्र कुमार कर रहे हैं। उनके मार्गदर्शन में शिक्षकों की एक टीम पिन्टू कुमार, सौरभ कुमार,

प्रखंड संसाधन केंद्र बगहा दो • जागरण

राव, मनोज कुमार और मनोज कुमार झा प्रतिदिन पत्रिका का संपादन और प्रकाशन कर रही है। टीम द्वारा तैयार सामग्री विद्यार्थियों के स्तर के अनुरूप सरल, रोचक और प्रभावी होती है।

सप्तऋषि माडल से सर्वांगीण संरचना बहुआयामी है, जिसे 'सप्तऋषि माडल' के रूप में विकसित किया गया है। इसमें प्रार्थना सभा, सामान्य ज्ञान, भाषा विकास, 'आज का अखबार' और प्रेरक प्रसंग जैसे खंड शामिल हैं। यह माडल विद्यार्थियों के मानसिक, संतुलित रूप से आगे बढ़ाता है।

> सरकारी विद्यालयों मे इस प्रकार की नवाचारी पहल बच्चों के शैक्षिक वातावरण को समृद्ध करती है। चंपारण-ज्ञानाग्रह विद्यार्थियों के ज्ञान, अनुशासन और व्यक्तित्व विकास मे सकारात्मक भूमिका निभा रही है। यह अन्य विद्यालयों के लिए भी प्रेरणास्रोत है।
>
> फूदन राम, बीईओ, बगहा दो

शिक्षक संवर्धन पर विशेष जोर: पत्रिका का 'शिक्षक संवर्धन' खंड शिक्षकों के निरंतर विकास पर केंद्रित है। इसमें आधुनिक शिक्षण विधियां, कक्षा प्रबंधन और बाल मनोविज्ञान जैसे विषयों पर लेख प्रकाशित किए जाते हैं, जिससे शिक्षक भी स्वयं को अपडेट रखते

कैरियर मार्गदर्शन और जागरूकता: ग्रामीण क्षेत्रों के विद्यार्थियों को ध्यान में रखते हुए पत्रिका में कैरियर मार्गदर्शन से जुड़े विषयों को भी शामिल किया गया है। इसके साथ ही स्वास्थ्य, आपदा प्रबंधन और सामाजिक सुरक्षा जैसे मुद्दों पर भी जागरूकता फैलायी जा रही है।

शिक्षा से बदलाव की दिशा: 'टीचर्स आफ बिहार—द चेंज मेकर्स' के बैनर तले संचालित यह पहल यह साबित कर रही है कि सीमित संसाधनों में भी बड़ा बदलाव संभव है। 'चम्पारण-ज्ञानाग्रह' अब केवल एक पत्रिका नहीं, बल्कि शिक्षा के माध्यम से समाज परिवर्तन का सशक्त

"बिहार दर्शन : जमुई, अंक–2"

'संपादकीय'✍️

महावीर की तपोभूमि ऋजुबालुका, गिद्धौर का राजसी वैभव और सिमुलतला की बौद्धिक धरोहर

जमुई का इतिहास केवल कालखंडों का ब्यौरा नहीं, बल्कि जैन धर्म की आत्म-साधना और अहिंसा के दर्शन का सर्वोच्च वैश्विक केंद्र है। जैन मान्यताओं और ऐतिहासिक शोधों के अनुसार, जमुई का लछुआड़ (क्षत्रियकुंड) जैन धर्म के २४वें तीर्थंकर भगवान महावीर की जन्मभूमि के रूप में पूज्य है। इसके निकट बहने वाली उज्वलिया (ऋजुबालुका) नदी का तट वह परम पावन स्थल है जहाँ भगवान महावीर ने १२ वर्षों की कठोर तपस्या के बाद वैशाख शुक्ल नवमी को 'कैवल्य ज्ञान' (परम ज्ञान) प्राप्त किया था। यहाँ का अतिशय क्षेत्र जैन श्रद्धालुओं के लिए दुनिया के सबसे पवित्र स्थलों में से एक है, जो संपूर्ण जमुई को आध्यात्मिक शांति और अहिंसा की वैश्विक ऊर्जा से आलोकित करता है।

इतिहास के पन्नों में जमुई की दूसरी बड़ी पहचान गिद्धौर राज (Gidhaur Royal Estate) की ऐतिहासिक और पुरातात्विक विरासत है। १४वीं शताब्दी में राजा बीर विक्रमादित्य सिंह द्वारा स्थापित यह रियासत न केवल अपने पराक्रम के लिए जानी जाती थी, बल्कि कला, स्थापत्य और साहित्य के संरक्षण का भी मुख्य केंद्र रही। गिद्धौर में स्थित मिंटो टावर (Minto Tower), जिसे १९०९ में वायसराय लॉर्ड मिंटो के आगमन की स्मृति में बनाया गया था, और ऐतिहासिक दुर्गा मंदिर यहाँ के स्थापत्य कला और मध्यकालीन इतिहास के जीवंत साक्ष्य हैं। गिद्धौर के राजाओं ने शिक्षा, चिकित्सा और समाजसेवा के क्षेत्र में जो बुनियादी ढाँचा तैयार किया, उसने इस क्षेत्र की सामाजिक चेतना को एक सुदृढ़ आधार प्रदान किया।

ब्रिटिश काल में जमुई का सिमुलतला (Simultala) अपनी अद्वितीय जलवायु और प्राकृतिक सुंदरता के कारण संपूर्ण पूर्वोत्तर भारत का 'मिनी दार्जिलिंग' और आरोग्य-लाभ (Health Resort) का सबसे पसंदीदा केंद्र बन गया था। बंगाल पुनर्जागरण (Bengal Renaissance) के दौर में स्वामी विवेकानंद, ईश्वरचंद्र विद्यासागर, रवींद्रनाथ टैगोर और शरतचंद्र चट्टोपाध्याय जैसी महान विभूतियों ने चिंतन और स्वास्थ्य लाभ के लिए सिमुलतला की सुरम्य पहाड़ियों में लंबा समय बिताया था। यहाँ बने विशाल विक्टोरियन शैली के विला और बंगले आज भी उस बौद्धिक और सांस्कृतिक स्वर्ण काल की मूक गवाही देते हैं।

भारतीय स्वतंत्रता संग्राम और औपनिवेशिक प्रतिरोध के इतिहास में जमुई की जन-चेतना अग्रिम पंक्ति में रही। सोनो, चकाई और झाझा के आदिवासी बहुल अंचलों में जमींदारी और ब्रिटिश हुकूमत के खिलाफ संताल और भूमिज आंदोलनों की धधकती ज्वाला ने अंग्रेजों के दांत खट्टे किए थे। १९४२ के 'भारत छोड़ो आंदोलन' के दौरान झाझा और जमुई के स्थानीय क्रांतिकारियों ने ब्रिटिश संचार व्यवस्था और रेल पटरियों को उखाड़कर हुकूमत को पंगु बना दिया था। इस आंदोलन में शहीद कमलेश्वरी प्रसाद सिंह और त्रिपुरारी सिंह जैसे तरुण सेनानियों ने मातृभूमि के लिए अपने प्राणों की आहुति दी, जिनकी शहादत की गाथा आज भी जमुई के लोक-गीतों में अमर है।

जमुई का यह दूसरा ऐतिहासिक अंक यह प्रमाणित करता है कि यहाँ की मिट्टी में दार्शनिक अहिंसा, राजसी गौरव, बौद्धिक चिंतन और राष्ट्रभक्ति का एक अद्भुत और अप्रतिम समन्वय है। लछुआड़ में गूँजती महावीर की अमर वाणी हो, गिद्धौर के मिंटो टावर की ऐतिहासिक भव्यता हो या सिमुलतला की वादियों में रची गई साहित्यिक रचनाएँ—ये सभी तत्व मिलकर जमुई को भारतीय संस्कृति का एक अनुपम और वंदनीय मुकुटमणि बनाते हैं।

...........✍️

शैलेन्द्र कुमार

प्रधान शिक्षक

रा.प्रा.वि. बोदसर, बगहा-2

Reg. No. BR/2025/0487469

"चम्पारण-ज्ञानाग्रह"

आइए, हम मिलकर छात्रों के ज्ञान, प्रेरणा और जिज्ञासा को नयी दिशा दें। 🌿🙏

Thank You..

बच्चों के हितार्थ अपना बहुमूल्य समय देने के लिए।

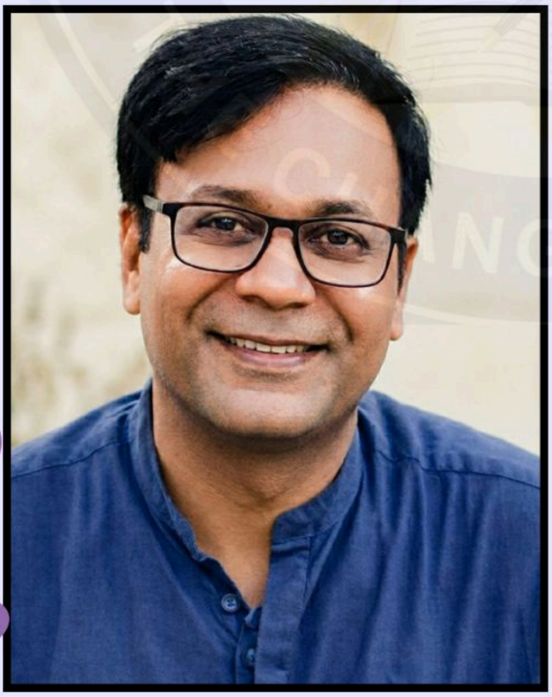

संपादक:-

शैलेन्द्र कुमार

'प्रधान शिक्षक'

Govt. PS बोदसर, बगहा-2, प. चम्पारण।

(10010803702)

📱-9939671700

अगर आपके मन में कोई नया विचार, कोई इवेंट, कोई एक्टिविटी या किसी बदलाव की पहल है, तो कृपया टीम में बताइए।

+917250818080

teachersofbihar@gmail.com

+917250818080

www.teachersofbihar.org